अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–145 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ गुरुवार 26 अगस्त 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

उन्नाव। महिला जागरूकता शिविर विकासखंड सिकंदरपुर कर्ण में महिलाओं का जागरूक कार्यक्रम में अध्यक्षता करती हुई माननीय सदस्या उत्तर प्रदेश, राज्य महिला आयोग, श्रीमती मनोरमा शुक्ला।

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक तथा क्षेत्राधिकारी सफीपुर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मांखी पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास व बोलेरो लूटने वाले तीन अभियुक्तों को घटना में प्रयुक्त सेंट्रो कार व लूटी गई बोलेरो बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

23 वर्षीय युवक की ट्रेन से कटकर हुई दर्दनाक मौत

सुरेश कुमार तिवारी

कहोबा चौराहा गोंडा इटियाथोक कस्बे में स्थित विशुही नदी पुल रेलवे क्रॉसिंग के पास बुधवार दोपहर 12रू30 बजे के करीब एक 23 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत हो गई। युवक के क्षत–विक्षत शव को देखकर स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची इटियाथोक कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरवाने के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा है। मौके पर मौजूद लोगों की शिनाख्त में मृतक युवक की पहचान मनीष पुत्र लालजी ग्राम पंचायत विरमापुर थाना इटियाथोक जनपद गोंडा के रूप में हुई है।घटना की जांच पड़ताल करने में स्थानीय पुलिस जुटी हुई है वही इस बाबत प्रभारी निरीक्षक संजय दुबे ने बताया कि मृतक युवक का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था।

मेरे खिलाफ साजिशन दिया गया पत्र

उरई । माधौगढ़ तहसील की ग्राम पंचायत खैरई निवासी सुनील कुमार पुत्र मन्दीप प्रजापति ने एक पत्र पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय में देते हुए अपने पत्र में लिखा कि मैं कानून में आस्था रखने वाला व्यक्ति हूं । मजदूरी करके अपना और अपने परिवार का भरण–पोषण बामुश्किल कर पाता हूं । वाक्या दिनांक 14–08–2021 को मनरेगा योजना में मैं और मेरी पत्नी मजदूरी का काम रहे थे । तो मेरी पत्नी कौशल्या के साथ विपक्षियों ने मारपीट करते हुए गाली–गलौज भी की थी । इस संबंध में मैंने विपक्षियों के खिलाफ थाना रामपुरा में शिकायत की । जिसमें चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों के बीच बिना किसी जब्र दबाव के सुलह समझौता हो गया था । फिर भी 21अगस्त को समाचार पत्रों के माध्यम से मुझे जानकारी हुई कि विपक्षियों ने साजिशन मेरे विरुद्ध पुलिस अधीक्षक जालौन के यहां जातिसूचक गाली–गलौज मारपीट के संबंध में पत्र दिया गया है । जो कि हमारे विरूद्ध द्वेष पूर्ण भावना के तहत दिया गया है । उक्त ने पुलिस क्षेत्राधिकारी शाहिदा नसरीन के कार्यालय में गुहार लगाई है कि मुझे न्याय दिलाया जाए।

उज्जवला 2-0 के तहत सीएम योगी देंगे 20 लाख गैस कनेक्शन

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को केंद्र एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, उज्जवला 2.0 के तहत, प्रवासी श्रमिक केवल एक स्व–घोषणा के लिए जो योजना के पहले चरण के तहत कवर नहीं किए गए थे। उज्जवला योजना 2.0 की शुरूआत

सरकार की उज्जवला 2.0 योजना के तहत करीब 20 लाख मुफ्त गैस कनेक्शन बांटेंगे। इसके लिए वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसके दौरान मुख्यमंत्री योजना के कुछ लाभार्थियों से बातचीत भी करेंगे। साथ मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन का लाभ उठा सकते हैं। उन्हें पते के प्रमाण जैसे दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। इस योजना का उद्देश्य जमा–मुक्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान करना है। कम आय वाले परिवारों के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 अगस्त को की थी जब उन्होंने महोबा में लाभार्थियों को एलपीजी कनेक्शन दिए थे। प्रधान मंत्री उज्जवला योजना शुरू में प्रधान मंत्री द्वारा मई 2016 में उत्तर प्रदेश के बलिया से शुरू की गई थी।

यूपी के सभी शिक्षण संस्थानों में लड़कियों के लिए बनेगा हेल्थ क्लब

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार राज्य के हर राज्य के विश्व विद्यालय, निजी विश्व विद्यालय, सरकारी कॉलेज, गैर–सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज और स्व–वित्त पोषित कॉलेज में लड़कियों के लिए हेल्थ क्लब स्थापित करेगी। उच्च शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग के साथ तालमेल से छात्राओं और शिक्षकों के लिए भी स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगा। सरकार के प्रवक्ता के अनुसार राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राथमिक उपचार किट का वितरण किया जाएगा। 15 सितंबर तक राज्य के 17 राज्य विश्व विद्यालयों, 30 निजी विश्व विद्यालयों और 171 सरकारी कॉलेजों में स्वास्थ्य शिविर और क्लब स्थापित किए जाने हैं। प्रदेश के 331 अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में 16 सितंबर से 15 अक्टूबर तक उच्च शिक्षण संस्थानों में प्राथमिक उपचार किट वितरण, प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा। वहीं 16 अक्टूबर से 15 दिसंबर तक प्रदेश के सभी वित्त पोषित महाविद्यालयों में प्राथमिक उपचार, स्वास्थ्य टेस्ट शिविर एवं प्राथमिक चिकित्सा किट वितरण संबंधी प्रशिक्षण दी जायेगी। इसी अवधि में खुद के फंड से चलने वाले महाविद्यालयों में भी इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सीएम योगी की राजवीर ने की तारीफ, बोले एक बेटे की तरह अंतिम संस्कार में की सारी व्यवस्थाएं

अवध की आवाज

लखनऊ। उत्ध्तर प्रदेश के पूर्व मुख्ध्यमंत्री व भाजपा के दिग्गज नेता कल्ध्याण सिंह के सांसद बेटे राजवीर सिंह ने अपने पिता कल्याण सिंह के दाह संस्ध्कार में साथ देने के लिए सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ की तारीफ की है।राजवीर ने ये तारीफ फेसबुक पोस्ट डालकर की है। मंगलवार को राजवीर ने सीएम योगी को धन्ध्यवाद देते हुए फेसबुक पर एक भावुकता वाली पोस्ध्ट लिखी। राजवीर ने इस पोस्ध्ट में लिखा है कि कैसे सीएम योगी अस्ध्पताल से कल्ध्याण सिंह के पार्थिव शरीर के साथ ही उनके घर गए और वहां शांति पाठ कराया।सीएम योगी विधानभवन और भाजपा कार्यालय भी गए और फिर अलीगढ़ पैतृक गांव आकर खुद सारी व्ध्यवस्ध्थाएं संभाली।पूर्व सीएम कल्ध्याण सिंह का 89 साल की उम्र में 21 अगस्ध्त की शाम पीजीआई लखनऊ में निधन हो गया था। आपको बता दें कि एटा से राजवीर सिंह भाजपा से सांसद हैं।राजवीर सिंह ने फेसबुक पर अपनी पोस्ध्ट में लिखा है कि सीएम योगी आदित्ध्यनाथ ने उनके पिता की अंतिम यात्रा की

सारी व्यवस्थाएं व्यक्तिगत तौर पर अपनी देखरेख में कराई और ये पूरे तीन दिनों तक चला। सीएम योगी पीजीआई से लेकर लखनऊ स्थित आवास, विधानभवन, भाजपा कार्यालय और फिर पैतृक गांव तक खुद अंतिम संस्ध्कार की तैयारियों को देखते रहे और अंत में परिवारवालों की तरह ही विदाई दी। राजवीर ने लिखा– जिस व्यक्तित्व ने अपने पिता के निधन पर उत्तर प्रदेश सरकार की जिम्मेदारियों की व्यस्तता के चलते उनके अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हुए। मा. मुख्ध्यमंत्री जी आपने प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बाबू जी के निधन के पश्चात 3 दिन उनके पार्थिव शरीर और दाह संस्कार तक साथ रहकर रामभक्त आदरणीय बाबूजी जी के बड़े बेटे का हक निभाया है जिसके लिए मैं, मेरा परिवार और क्षेत्र की जनता सदैव आपकी ऋणी रहेगी। ऐसे योगी के लिए मैं नतमस्तक हूं।

26 करोड़ का हाउस और वॉटर टैक्स बकाया होने पर कानपुर का जेड स्क्वॉयर मॉल सील

कानपुर, (वेब वार्ता)। जिले के सबसे बड़े शॉपिंग मॉल जेड स्क्वॉयर में बुधवार को उस वक्त अफरा–तफरी मच गई जब 26 करोड़ के बकाये के चलते नगर निगम के अफसर उसे सील करने पहुंच गए। भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे अफसरों ने कार्यवाही करते हुए मॉल के सभी गेटों को सील करते हुए 26 करोड़ का बकाया हाउस और वॉटर टैक्स जमा किए जाने की हिदायत दी। यह कार्यवाही उस आज उस वक्त की गई जब कई नोटिसों के बावजूद मॉल के मैनेजिंग डायरेक्टर ताहिर हुसैन ने एक भी पैसा जमा नहीं किया। नगर निगम के आयुक्त शिव शरणप्पा के कमान संभालने के बाद वह बड़े बकायेदारों पर शिकंजा सकते हुए राजस्व वसूली को लेकर आज जेड स्क्वॉयर मॉल को सील करने के निर्देश दिए गए। नगर निगम के अपर नगर आयुक्त अरविंद राय के साथ अन्य अफसर भारी पुलिस बल के साथ बड़ा चौराहा स्थित मॉल पहुंचे। यहां पर उन्होंने मॉल मैनेजिंग डायरेक्टर ताहिर हुसैन के साथ अन्य प्रबंधन से बातचीत की। बातचीत में बकाया 26 करोड़ टैक्स भुगतान को लेकर कोई सहमति न बनने पर अफसरों ने सीलिंग की कार्यवाही शुरू की। जनपद के सबसे बड़े शॉपिंग मॉल पर सीलिंग की कार्यवाही देख कर्मचारियों व वहां आए लोगों में अफराकृतफरी मच गई। इस बीच मॉल के अंदर सैकड़ों कर्मचारी काम कर रहे थे। नगर निगम की अफसरों ने मॉल के सभी छह गेटों को सील कर दिया। इस बीच एक गेट से सीलिंग की कार्यवाही से पूर्व पहुंचे सभी कर्मचारियों को पुलिस ने एक गेट के जरिए बाहर निकालवाया। सीलिंग करने पहुंचे अपर नगर आयुक्त अरविंद राय ने बताया कि मॉल के ऊपर करीब हाउस टैक्स का 13.36 करोड़ रुपये बकाया है। इसमें 10.44 करोड़ रुपये टैक्स और 2.91 करोड़ रुपये समय से टैक्स जमा न करने पर लगाया गया ब्याज है। उन्होंने बताया कि मॉल पर इतना ही टैक्स जलकल और सीवर टैक्स का 12.65 करोड़ रुपये बकाया है। इस तरह से करीब 26 करोड़ का टैक्स इस मॉल पर बकाया है। सीलिंग की कार्यवाही से पूर्व कई नोटिस भेजकर टैक्स जमा करने की चेतावनी दी गई लेकिन बकाया जमा करने में मॉल के स्वामित्व द्वारा कोई कदम नहीं उठाया गया। इसको देखते हुए नगर निगम अधिनियम 1959 के तहत सीलिंग की कार्रवाई को अमल में लाया गया है। अपर नगर आयुक्त ने बताया कि अगर मॉल द्वारा टैक्स न दिया गया तो कुर्की की कार्यवाही भी की जा सकती है। अपर नगर आयुक्त रोली गुप्ता, प्रवर्तन अधिकारी भी मौजूद रहें। बताते चलें कि, मॉल पर आज सीलिंग की कार्यवाही से पूर्व साल की शुरूआत में 01 जनवरी 2021 को महापौर प्रमिला पांडेय अफसरों के साथ बकाया वसूलने पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने टैक्स बकाया जमा न करने पर ताला डाल दिया था। इसको देखते हुए मॉल प्रबंधन द्वारा करीब 01 करोड़ रुपये देकर बकाया जल्द जमा किए जाने की मौहलत मांगी गई थी। दो साल पूर्व भी मॉल के खिलाफ कार्रवाई नगर निगम कर चुका है। जानकारी के मुताबिक, मॉल पर करीब तीन साल का हाउस व वॉटर टैक्स आदि बकाया है।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा लखनऊ शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्यवाही करने का असर

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा लखनऊ शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्यवाही करने का असर अब दिखने लगा है। आज दिनांक 25.08.2021 को गोमतीनगर क्षेत्र में 2 अवैध निर्माणों को सील किया गया। प्राधिकरण के अधिशासी अभियन्ता (प्रवर्तन), जोन–1 अवनीन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि आर.के.सिंह व अन्य द्वारा आरकेपुरम,मल्हौर, चिनहट, लखनऊ में लगभग 3000 वर्गफुट के भूखण्ड पर भूतल का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया था। अवैध निर्माण किये जाने पर प्राधिकरण के विहित न्यायालय में वाद संख्या–832021 योजित किया गया था। अवैध निर्माण न रोके जाने पर योजित वाद में विहित प्राधिकारी आनन्द कुमार सिंह द्वारा दिनांक 23.07.2021 को उक्त परिसर को सील किये जाने के आदेश पारित किया गया था। आदेश के अनुपालन में आज सील किया गया। उक्त के अतिरिक्त वीर विक्रम सिंह द्वारा भूखण्ड संख्या–43, एल्डिको कालोनी,

विकल्प खण्ड, गोमतीनगर ,लखनऊ पर भवन के निर्माण करते हुए रियर सेट बैक में 2 दुकानों का निर्माण भी अवैध रूप से किया गया था। अवैध रूप से निर्माण किये जाने पर प्राधिकरण के विहित न्यायालय में वाद संख्या–773/ 2018 योजित किया गया था। अवैध निर्माण न रोके जाने पर योजित वाद में विहित प्राधिकारी आनन्द कुमार सिंह द्वारा दिनांक 28.07.2021 को उक्त परिसर को सील किये जाने के आदेश पारित किया गया था। आदेश के अनुपालन में आज सील किया गया। उपरोक्त कार्यवाही अवर अभियन्ता उदय वीर सिंह तथा जितेन्द्र कुमार द्वारा प्राधिकरण व क्षेत्रीय पुलिस बल के सहयोग से की गई।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने सामुदायिक केन्द्र, शमन शुल्क और पार्कों से होने वाली आय व बकाया धनराशि का ब्यौरा मांगा

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा अपनी किराये की सम्पत्तियां जल्द ही अभियान चलाकर बेची जायेंगी। उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने प्राधिकरण की आय बढ़ाने के सम्बन्ध में बुधवार को की गई बैठक में इस सम्बन्ध में निर्देष जारी किये हैं। इसके अलावा उन्होंने व्यावसायिक, बल्कसेल, ग्रुप हाउसिंग आदि की सम्पत्तियों का भी अधिकारियों से सम्पूर्ण विवरण मांगा है। जिससे कि इनकी नीलामी की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। उपाध्यक्ष के इस फैसले से प्राधिकरण की सम्पत्ति खरीदने के इच्छुक लोगों को जल्द ही इसका मौका मिल सकता है। बैठक के दौरान प्राधिकरण की किराये की सम्पत्तियों के सम्बन्ध में उप सचिव माधवेश कुमार द्वारा बताया गया कि कुल 1840 किराये की सम्पत्तियां हैं। इसमें से कुछ सम्पत्तियों पर अवैध अध्यासियों द्वारा निवास किया जा रहा है। इस पर उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने निर्देषित किया कि टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण करके ऐसी सम्पत्तियों को चिन्हित किया जाये। तत्पष्चात् इन सम्पत्तियों के विक्रय हेतु अभियान चलाया जाये। उन्होंने बैंक एवं विभिन्न कार्यालय प्रयोग हेतु किराये पर दी गई प्राधिकरण की व्यावसायिक सम्पत्तियों का भी विवरण देने को कहा है। इसके अलावा उन्होंने विराज खण्ड, गोमतीनगर में बने ई.डब्ल्यू.एस भवनों को लाटरी के माध्यम से बेचे जाने के भी निर्देश दिये। उपाध्यक्ष ने सामुदायिक केन्द्र, शमन शुल्क तथा पार्कों से होने वाली आय व बकाया धनराशि के सम्बन्ध में मुख्य अभियंता इंदु षेखर सिंह को अगामी बैठक में पूर्ण विवरण प्रस्तुत करने के निर्देष दिये। इसी क्रम में उन्होंने प्राधिकरण द्वारा संचालित पार्किंगों में अवशेष धनराशि की वसूली सुनिश्चित किये जाने के निर्देष दिये। उन्होंने ऐसी पार्किंगों को भी चिन्हित करने को कहा, जो नगर निगम को हस्तान्तरित की जा सकती हैं, जिससे प्राधिकरण को इन पार्किंगों के रख–रखाव पर व्यय न करना पड़े। बैठक के दौरान मुख्य नगर नियोजक नितिन मित्तल द्वारा वर्श 2020–21 में स्वीकष्त मानचित्रों के सापेक्ष क्रय योग्यष् एफ.ए.आर एवं वाह्य विकास षुल्क का विवरण प्रस्तुत किया गया। इस पर उपाध्यक्ष अक्षय

त्रिपाठी द्वारा वर्श 2020–21 से पूर्व के वर्शों में क्रय योग्य एफ.ए.आर तथा वाह्य विकास षुल्क में अवषेश धनराषि का विवरण प्रस्तुत करने और सभी बकायेदारों को नोटिस निर्गत कर वसूली करने के निर्देष दिये गये। इसके अलावा उपाध्यक्ष द्वारा बंधा षुल्क में प्राधिकरण को प्राप्त होने वाली अवषेश राषि का विवरण भी मांगा गया। उपाध्यक्ष ने विषेश कार्याधिकारी अमित राठौर को प्राधिकरण की व्यावसायिक, बल्कसेल, ग्रुप हाउसिंग, स्कूल, नर्सिंग होम एवं ट्रस्ट की सम्पत्तियों का विवरण अगली बैठक में प्रस्तुत करने उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने कहा कि व्यावसायिक सम्पत्तियों के डिफाल्टरों को चिन्हित करके उनसे वसूलीध निरस्तीकरण की कार्यवाही की जाये और सितम्बर माह के प्रथम सप्ताह में व्यावसायिक सम्पत्तियों की नीलामी की प्रक्रिया सुनिष्चित कराई जाये। बैठक में वित्त नियंत्रक राजीव कुमार समेत अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कल्याणकारी योजनाओं विषयक जागरूकता शिविर का आयोजन

अवध की आवाज

माधौगढ़ (जालौन) उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्य डा0 कंचन जायसवाल अगस्त माह के तृतीय बुधवार दिनांक 25.08.2021 को जनपद जालौन में उ0प्र0 मुख्यमंत्री बालसेवा योजना, महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक जागरूकता शिविर का आयोजन कांशीराम कालोनी उरई में किया गया। शिविर के दौरान उन्होने उपस्थित महिलाओं द्वारा विभिन्न समस्याओं से अवगत हुई। मा0 सदस्य महोदया द्वारा उपस्थित महिलाओं को मास्क का वितरण किया तथा छोटे बच्चियों को हेयर बेण्ड एवं मास्क उपलब्ध कराये। उन्होने जन चौपाल में आये हुये आवेदन पत्रों को बड़े ही गम्भीरतापूर्वक सुनते हुये संबंधित विभागों को निस्तारित करने हेतु अग्रसारित किये। मा0 सदस्य महोदया ने उपस्थित महिलाओं को जनसुनवाई में कहा कि सभी लोग कोविड–19 का पालन करते हुये मास्क एवं सेनेटाइजर का प्रयोग अवश्य करे। जन चौपाल में आये हुये विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी अपने विभागों से संबंधित योजनाओं के बारे में उपस्थित महिलाओं को जागरूक किया तथा यह भी कहा कि जो भी योजनायें शासन द्वारा चलायी जा रही है उससे महिलाओं को अधिक से अधि

क जागरूक होना चाहिये जिससे उसका लाभ उसे मिल सके। मा0 सदस्य महोदया द्वारा शासन की योजनाओं जैसे उज्जवला योजना, जनधन योजना, निःशुल्क राशन वितरण, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्रर आवास योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना एवं समस्त प्रकार के पेंशन योजना के संबंध में जानकारी देते हुये कहा कि इससे कौन–कौन से लोग लाभान्वित हो रहे है तथा जो इससे लाभान्वित नही हो पा रहे है वह संबंधित विभागों में जाकर के योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। उन्होने आयुष्मानकार्ड एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत महिलाओं को छोटे–छोटे उद्योग स्थापित कर लाभ ले। उन्होने मुख्यमंत्री बालसेवा योजना के संबंध में भी अवगत कराया तथा कहा कि इस योजना के अन्तर्गत जिन बच्चों की उम्र 18 वर्ष से कम हो तथा उसके माता–पिता कोरोना काल में मृत हो जाने के पश्चात उसे रू0 4000/–की धनराशि प्रतिमाह दी जायेगी। मा0 सदस्य महोदया ने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में अभी और कार्य करने की जरूरत है जिसके लिये उन्होने समस्त विभागों द्वारा कैम्प लगाकर शासन द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जागरूक करे जिससे अधिक से अधिक लोग योजनाओं से लाभान्वित हो सके इस अवसर पर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद उरई अनिल गहोई बहुगुणा, जिला प्रोबेशन अधिकारी डा0 अमरेन्द्र कुमार, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद उरई विमलापति, जिला सूचना अधिकारी के0वी0मिश्र, महिला थानाध्यक्ष सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

भारतीय विदेश नीति और तालिबान

तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता का नियंत्रण अपने हाथों में ले चुका है। तालिबान पश्तो भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ होता है छात्र। तालिबान का उदय 90 के दशक में हुआ जब अफगानिस्तान में सोवियत संघ की सेना वापस जा रही थी। तालिबान का अफगानिस्तान में शासन चलाने का कोई मॉडल नहीं है। उनकी अपनी एक कट्टरपंथी विचारधारा है जिसे वो लागू करना चाहते हैं। लगभग 20 साल पहले अमरीका ने दावा किया था कि अफगानिस्तान से तालिबानी शासन का अंत हो गया है। लेकिन अब उसके आतंक के चलते अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी विदेश भाग चुके हैं और फिर से तालिबान का शासन आ चुका है। एक डर जो मन में कहीं छिपा बैठा था कि तालिबान के वापस आते ही दमन और अत्याचारों का दौर शुरू होगा, वह अब कसौटी पर है। अफगानिस्तान को लेकर अंतरराष्ट्रीय रुख भी असमंजस वाला है। भारत के अब तक तालिबान के साथ सीधी बातचीत शुरू न करने की बड़ी वजह यह रही है कि भारत अफगानिस्तान में भारतीय मिशनों पर हुए हमलों में तालिबान को मददगार और जिढम्मेदार मानता था। भारत का तालिबान के साथ बात न करने का एक और बड़ा कारण यह भी रहा है कि ऐसा करने से अफगान सरकार के साथ उसके रिश्तों में दिक्कत आ सकती थी जो ऐतिहासिक रूप से काफी मधुर रहे हैं। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। ताजा घटनाक्रम के बाद भारत की तालिबान के प्रति विदेश नीति क्या होगी?

सच्चाई यह है कि पिछले कुछ सालों में भारत सरकार ने अफगानिस्तान में पुनर्निर्माण से जुड़ी परियोजनाओं में लगभग तीन अरब अमरीकी डॉलर का निवेश किया है। संसद से लेकर सडक और बांध बनाने तक कई परियोजनाओं में सैकड़ों भारतीय पेशेवर काम कर रहे हैं। अफगानिस्तान में लगभग 1700 भारतीय रहते हैं। पिछले कुछ दिनों में काफी लोगों के अफगानिस्तान छोडने की खबरें आई थीं। भारत इस सच्चाई को समझ रहा है कि अब तालिबान का काबुल पर कब्जा हो गया है और अफगानिस्तान से अपने लोग बाहर निकाल रहा है। अब भारत के पास दो रास्ते हैं, या तो भारत अफगानिस्तान में बना रहे या फिर सब कुछ बंद करके 90 के दशक वाले रोल में आ जाए। भारत दूसरा रास्ता अपनाता है तो पिछले दो दशक में जो कुछ वहां भारत ने किया है वो सब खत्म हो जाएगा। पहले कदम के तौर पर भारत को बीच का रास्ता अपनाते हुए तालिबान के साथ बातचीत स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए, ताकि अफगानिस्तान के विकास के लिए अब तक जो भारत कर रहा था, उस रोल को (सांकेतिक या कम से कम स्तर पर) वो आगे भी जारी रख सके। भारतीय विदेश नीति से जुड़े लोग मानते हैं कि सभी भारतीयों को वहां से निकालने से आगे चल कर भारत को बहुत ज्यादा फायदा नहीं होने वाला है।

आनन–फानन में लिए गए किसी भी फैसले से बहुत भला नहीं होने वाला है। उनके मुताबिक ऐसा इसलिए क्योंकि इस साल 15 अगस्त से पहले तक यह माना जा रहा था कि कोई अंतरिम सरकार अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हो सकती है, लेकिन अब वहां की स्थिति बिल्कुल बदल चुकी है। तालिबान के रास्ते में कोई रोड़ा नहीं दिखाई पड़ रहा है। 1990 में जब अफगानिस्तान में तालिबान का राज था और भारत ने अपने दूतावास बंद कर दिए थे, उसके बाद भारत ने कंधार विमान अपहरण कांड देखा था। भारत विरोधी गुटों का विस्तार भी भारत ने देखा। 2011 में भारत ने अफगानिस्तान के साथ स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट साइन किया था, जिसमें हर सूरत में अफगानिस्तान को सपोर्ट करने का भारत ने वादा किया था, लेकिन अब तालिबान ने भारत के व्यापारिक हितों को नुक्सान पहुंचाना शुरू कर दिया है। फिर भी तालिबान में एक गुट ऐसा भी है जो भारत के प्रति सहयोग वाला रवैया भी रखता है। जब अनुच्छेद 370 का मुद्दा उठा तो पाकिस्तान ने इसे कश्मीर से जोड़ा, लेकिन तालिबान ने कहा कि उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि भारत कश्मीर में क्या करता है। काबुल पर कढब्जा करने के बाद अब तक किसी भी बहुत बड़े खढून खराबे की खढबरें सामने नहीं आई हैं।

हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बात को लेकर चिंता जताई गई है कि तालिबानी शासन आने के बाद अफगानिस्तान में महिलाओं की जिढंदगी बद से बदतर हो जाएगी। भारत की प्राथमिकता अभी अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की होगी। उसके बाद भारत देखेगा कि तालिबान का रवैया आने वाले दिनों में कैसा है? दुनिया के दूसरे देश तालिबान को कब और कैसे मान्यता देते हैं और तालिबान वैश्विक स्तर पर कैसे अपने लिए जगह बनाता है? भारत तालिबान से तभी बातचीत शुरू कर सकता है, जब तालिबान भी बातचीत के लिए राजी हो। मीडिया में तालिबान के बयान और जमीन पर उनकी कार्रवाई में फर्क न हो। तालिबान भले ही कह रहा है कि वो किसी से बदला नहीं लेंगे. किसी को मारेंगे नहीं, लेकिन जिन प्रांतों को उन्होंने अपने कढ ब्जे में लिया है और वहां से जो खढबरें आ रही हैं, उससे लगता है कि उनकी कथनी और करनी में अंतर है। अभी जमीन पर उनका पुराना अवतार ही कढायम है। नए हालात में तालिबान को अभी वैश्विक स्वीकार्यता चाहिए।

पिछले दिनों तालिबान के प्रतिनिधि चीन गए थे। वहां उन्हें जरूर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे दिखना है, इससे जुड़ी सलाह मिली होगी। लेकिन ब्रिटेन, अमरीका और दूसरे पश्चिमी देशों से शुरुआती संकेत तालिबान के लिए उत्साहजनक नहीं मिले हैं। अमरीका के राष्ट्रपति को जिस तरह से अफगानिस्तान की स्थिति के लिए जिढम्मेदार ठहराया जा रहा है, उससे साफ है कि पश्चिमी देश तालिबान को इतनी जल्दी मान्यता नहीं देने वाले। रही बात भारत की तो पड़ोसी देश में जब भी सरकार बदलती है तो भारत उनसे बातचीत करता ही है। कयास है कि अफगानिस्तान में भी भारत वैसा करेगा, लेकिन सही समय आने पर। वो सही समय तब आएगा, जब भारत जैसी सोच रखने वाले दूसरे देश भी तालिबान को मान्यता देने की तरफ कढदम बढ़ाएं। अगर तालिबान 2.0 तालिबान 1.0 जैसे ही हों, तो भारत को तालिबान से बातचीत में कोई फायदा नहीं होगा।

तालिबान से बातचीत करने के लिए यदि चाहे तो भारत रूस की मदद ले सकता है ताकि भारत के हितों की सुरक्षा अफगानिस्तान में हो सके। इसके अलावा सऊदी अरब और यूएई पर भी भारत की नजरें टिकी हैं कि वो आगे क्या करते हैं। 1990 में पाकिस्तान, यूएई और सऊदी अरब ने तालिबान को सबसे पहले मान्यता दी थी। तब उनका एजेंडा था अमरीका को अफगानिस्तान से हटाना, जिसमें वो सफल हो गए हैं। लेकिन इसके बाद भी उनके तमाम गुटों में एकता बनी रहेगी, ये अभी कहना मुश्किल है। जब तक अफगानिस्तान में नई राजनीतिक व्यवस्था की प्रक्रिया शुरू नहीं हो जाती, तब तक कुछ भी कहना मुश्किल है। भारत चाहेगा कि उसमें नार्दर्न एलायंस की भूमिका रहे। लेकिन तालिबान की प्राथमिकता होगी अपने कढानून को वहां लागू करवाए, न कि अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते बनाए। ऐसे में भारत और तालिबान के बीच विचारधारा का टकराव हो सकता है। तालिबान के काबुल पर कढब्जा कर लेने से भारत के सामने तीन स्तर पर चुनौतियां होंगी। पहली सुरक्षा से जुड़ी हुई। तालिबान के साथ संबंधित आतंकवादी गुट की छवि अब तक भारत–विरोधी रही है। दूसरी मध्य एशिया में व्यापार, कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास के मसले पर दिक्कढतें आ सकती हैं। तीसरी दिक्कत चीन और पाकिस्तान को लेकर आएगी, जो पहले से तालिबान के साथ अच्छे संबंध बनाए हुए हैं। ऐसे हालात में भारतीय विदेश नीति को सामयिक परिपक्वता की जरूरत होगी।

राज्य विद्युत परिषद प्राविधिक कर्मचारी संघ गोंडा की बैठक हुई संपन्न

अवध की आवाज ब्यूरा

कहोबा चौराहा गोंडा। मंगलवार को राज्य विद्युत परिषद प्राविधिक कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश की शाखा गोंडा की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन संगठन के क्षेत्रीय

कार्यालय निकट गायत्रीपुरम चौराहा, न्यू हाइडल कॉलोनी, गोंडा पर किया गया। बैठक की अध्यक्षता संघटन के क्षेत्रीय सचिव नरेन्द्र मिश्रा द्वारा किया गया। जिसमें दिनांक 18 अगस्त 2021 को संगठन के सदस्य अभिषेक रंजन कनौजिया के साथ ग्राम सताई पुरवा में घटित मार–पीट व गाली–गलौज की घटना में पुलिस प्रशासन द्वारा अभी तक ठोस कार्रवाई न किए जाने पर एकमत होकर रोष व्यक्त किया गया एवं सभी साथियों ने इस संदर्भ में अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड प्रथम गोंडा से मिलकर ज्ञापन सौंपा है। जिसमें उन्हें स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया है कि पूर्व में भी विद्युत उपकेन्द्र झंझरी , विद्युत उपकेन्द्र धानेपुर , विद्युत उपकेन्द्र खरगुपुर , विद्युत उपकेन्द्र कटरा बाज़ार, विद्युत उपकेन्द्र नवाबगंज ,विद्युत उपकेन्द्र परसपुर एवं विद्युत उपकेन्द्र करनैलगंज पर अराजक तत्वों द्वारा कर्मचारियो/अधिकारियो से अभद्रता एवं मारपीट की घटना घटित हो चुकी है । मार–पीट की घटना में कड़ी कार्रवाई न किए जाने के कारण ही उपद्रवी तत्वों का मनोबल अत्यंत बढ़ा हुआ है एवं दिनांक 18.08.2021 को श्री अभिषेक रंजन कनौजिया के साथ घटित हुई घटना उसी का परिणाम है। दिए गए ज्ञापन में दिनांक 27.08.2021 तक कार्यवाही/ दोषियों की गिरफ्तारी ना किए जाने की स्थिति में संगठन के सभी सदस्यों ने एकमत होकर अधिशासी अभियंता वितरण खंड प्रथम के कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। बैठक में जनपद गोंडा के लगभग सभी तकनीकी साथियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें मुख्य रुप से क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री राकेश यादव, मध्यांचल अध्यक्ष नीरज तिवारी, क्षेत्रीय सचिव नरेंद्र मिश्रा, जिला अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह, जिला सचिव श्री सतीश गुप्ता, कार्यालय सचिव जितेंद्र विश्वकर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष परमानंद पांडे, अभिषेक रंजन कनौजिया, मधुर श्याम पाठक , अमित कुमार, सुनीता गौण, मयंक श्रीवास्तव ,अजीत शुक्ला अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जन्म के 7वें महीने से बच्चे को स्तनपान के साथ मिले पूरक आहार, तो स्वस्थ जीवन का बने आधार : डॉ. आफ़ताब आलम

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए शुरू के 1 हजार दिन यानि गर्भकाल के 270 दिन और बच्चे के जन्म के दो साल (730 दिन) तक का समय बहुत ही महत्वपूर्ण होता है । इस दौरान यदि बच्चे के पोषण स्तर में गिरावट उसके पूरे जीवन चक्र को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में पोषण का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है । इसके अलावा सही पोषण बच्चों में संक्रमण, विकलांगता, बीमारियों व मृत्यु की संभावना को कम करके जीवन में विकास की नींव रखता है। यह कहना है जिला महिला अस्पताल के नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आफ़ताब आलम का । डॉ. आफ़ताब बताते हैं कि माँ–बच्चे को सही पोषण उपलब्ध कराने से बच्चे की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। जब बच्चा 6 माह अर्थात 180 दिन का हो जाता है, तब स्तनपान उसकी पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं होता है। इस समय बच्चा तीव्रता से बढ़ता है और उसे अतिरिक्त पोषण की आवश्यकता होती है। शिशु को स्तनपान के साथ–साथ 6 माह की आयु पूरी होने के बाद पूरक आहार देना शुरू कर देना चाहिए। पूरक आहार को 6 माह के बाद ही शुरू करना चाहिए क्योंकि छः माह तक केवल माँ का दूध ही बच्चे के लिए पर्याप्त पौष्टिक आहार होता है । बच्चे को देर से पूरक आहार देने से उसका विकास धीमा हो जाता है या रुक जाता है तथा बच्चे में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होने की संभावना बढ़ जाती है और वह कुपोषित हो सकता है। डॉ. आफ़ताब के अनुसार, स्तनपान के साथ–साथ 6–8 माह की आयु के बच्चों को 250–250 मिली की आधी–आधी कटोरी अर्द्धठोस आहार, दिन में 2 बार देना चाहिए। 9–11 माह के बच्चे को स्तनपान के साथ–साथ 250–250 मिली की आधी–आधी कटोरी दिन में तीन बार देनी चाहिए। 11–23 माह के बच्चे को भी स्तनपान के साथ 250–250 मिली की पूरी कटोरी दिन में तीन बार देनी चाहिये और साथ में 1–2 बार नाश्ता भी खिलाएँ। बच्चे को तरल आहार न देकर अर्द्ध ठोस पदार्थ देने चाहिए। भोजन में चौरंगा आहार (लाल, सफ़ेद, हरा व पीला) जैसे गाढ़ी दाल, अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियाँ स्थानीय मौसमी फल और दूध व दूध से बने उत्पादों को बच्चों को खिलाना चाहिए। इनमें भोजन में पाये जाने वाले आवश्यक तत्व जरूर होने चाहिए, जैसे– : कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन, विटामिन, खनिज पदार्थ, रेशे और पानी उपस्थित हों।वहीं यूनिसेफ के मंडलीय पोषण

सलाहकार डॉ. प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि बेहतर पोषण स्वस्थ समाज की नींव होती है। पोषण स्तर में सुधार कर स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की परिकल्पना साकार की जा सकती है।

भारतीय जनता पार्टी अवध क्षेत्र कार्यालय पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राममंदिर के प्रणेता श्रद्धेय कल्याण सिंह जी की श्रद्धांजलि सभा का किया गया आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। दिनांक 25.8.21 को भारतीय जनता पार्टी अवध क्षेत्र कार्यालय पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राममंदिर के प्रणेता श्रद्धेय कल्याण सिंह जी की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए अवध क्षेत्र के अध्यक्ष शेष नारायण मिश्र ने कहा कि कल्याण सिंह जी को युगपुरुष,देवपुरुष,राम मंदिर निर्माण के पुरोधा कहूँ या क्या क्या कहूँ उनके जीवन पर बोलते हुए मेरे पास शब्द कम पड़ जाएंगे,हम सबके आदर्श रहे कल्याण सिंह जी के निधन से पार्टी में आई रिक्तता की कमी को कोई भर नही सकता।हम सब उनके बनाये मार्ग पर यदि मूल रूप से चल सकें तो उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी,बाबू जी का कार्यकाल आज भी प्रदेश की राजनीति में मिसाल है उनकी सर्वस्पर्शी एवं पारदर्शी राजनीति की चर्चा हम सब भाजपा कार्यकर्ताओं का सीना चौड़ा कर देती है वे पिछड़ों के नेता ही नही बल्कि सर्वसमाज को अत्यंत ही लोकप्रिय थे राम मंदिर निर्माण के लिये सत्ता गँवाने वाले वे पहले और आखिरी राजनेता रहे मिश्र ने अंत में बोलते हुए कहा कि कल्याण सिंह जी दुनिया को भले अलविदा कह गए हों पर वो हम सब कार्यकर्ताओं के दिलों में सदैव जिंदा रहेंगे।क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी राजेश मिश्रा "डाक्टर" ने बताया कि इस अवसर पर क्षेत्रीय महामंत्री विजय प्रताप सिंह,नीरज वर्मा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह,अमित गुप्ता,क्षेत्रीय मंत्री संजय गुप्ता,आकाश मिश्रा,नईम अहमद,साधना जग्गी,मिथिलेश ओझा,अतुल बाजपेई सहित तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आईटीआई कर्मियों ने गोंडा के लोक सभा सांसद माननीय कीर्तिवर्धन सिंह उर्फ राजा भैया से की मुलाकात

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। 24 अगस्त 2021 दिन मंगलवार को गोंडा के लोकसभा सांसद द्वारा दिये गए समय के अनुसार आईटीआई लिमिटेड कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी, मंत्री उमेश चन्द्र एवं आफिसर एशोसिएशन के मंत्री शकील अहमद ने उनके आवास पर मुलाकात की और आईटीआई मनकापुर इकाई को अत्यधिक वर्कआर्डर एवं मनकापुर इकाई से हो रहे कर्मियों के स्थानांतरण को लेकर अपनी बात कही। सांसद महोदय ने बड़े ही सौहार्दपूर्ण रूप से आईटीआई कर्मियों की बात सुनी और यह आश्वासन दिया कि आप लोगों की समस्याओं को ब्डक महोदय से बात करेंगे। अगर इस बारे में सकारात्मक बात नही हुई तो मैं इस मुद्दों को लोक सभा मे उठाऊंगा। इन्ही मुद्दों को लेकर पूर्व महामंत्री नदीम जाफरी और सी डी यादव ने भी अपनी बात सांसद महोदय के कही।

मर्तोलिया फिल्म्स की नई मूवी में दिखेगी भोजपुरी एक्टर प्रियंवदा पांडे

अवध की आवाज ब्यूरा

कानपुर। मर्तोलिया फिल्म्स की सुपर हिट फिल्म रिक्शावाला की अपार सफलता के बाद मर्तोलिया फिल्म्स के प्रड्यूसर विजय सिंह मर्तोलिया ने खास बातचीत में बताया कि आज भोजपुरी एक्टर प्रियंवदा पांडे मर्तोलिया फिल्म्स ऑफिस आई थी। जल्द नई मूवी की शूटिंग होने वाली है कानपुर में जिसमें कानपुर का तड़का देखने को मिलेगा। प्रियंवादा पांडे भोजपुरी कई मूवी में एजे एक्टर काम कर चुकी हैं। कई भोजपुरी एल्बम में भी काम कर चुकी है प्रियंवादा पांडे ने बताया मेहनत करने वालों की जीत होती है मैंने फिल्म इंडस्ट्रीज में एजे

मर्तोलिया फिल्म के प्रड्यूसर विजय सिंह मर्तोलिया से भेंट की मर्तोलिया फिल्म्स के आने वाली नई मूवी में बहुत जल्द दिखेंगी फिल्म के प्रोड्यूसर विजय सिंह मार्तोलिया ने बताया रिक्शावाला की अपार सफलता के बाद शहर और देश की जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि बहुत एक्टर बहुत मेहनत किया जो भी इंडस्ट्रीज में मेहनत करेगा उसे सफलता अवश्य मिलेगी आज मैं बहुत खुश हूं मुझे हिंदी मूवी में काम करने का मौका मिल रहा है इसके लिए मैं फिल्म के प्रड्यूसर विजय सिंह मर्तोलिया सर का तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं।

कलम बंद हड़ताल के लिए विकास खंड अधिकारी निघासन को दिया गया ज्ञापन

जब तक पीड़ित को मिल नही जाता मुआवजा तब तक चालू रहेगी हड़ताल– संघ के उपाध्यक्ष अमर प्रकाश

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। विकास खंड मितौली की ग्राम पंचायत रसूलपुर में ग्राम रोजगार सेवक मनोज कुमार पुत्र त्रिवेणी प्रसाद की निर्मम हत्या कुछ दिन पूर्व में रंजिशन कर दी गई थी। जिस पर पुलिस द्वारा अपराधियों पर उचित धाराओं पर मुकदमा पंजीकृत कर दिया गया है और अपराधियों को जेल भी भेज दिया गया।उसके परिवार को मुआवजा व किसी को नौकरी ना मिलने पर विरोध में निघासन के समस्त ग्राम रोजगार सेवकों ने मिलकर निघासन खंड विकास अधिकारी राकेश कुमार सिंह को कलम बंद हड़ताल का ज्ञापन सौंपा और उनसे मांग की कि पीड़ित के परिवार को उसकी नौकरी व मुआवजा दिलाने की कृपा करे जिससे उसका पूरा परिवार अपना जीवन सही ढंग से बिता पाये।ब्लॉक अध्यक्ष आशीष कनौजिया ने यह भी कहा कि जब तक उसको मुआवजा व नौकरी नहीं मिल जाती तब तक हम सभी लोग धरना बरकरार रखेंगे।इस दौरान ग्राम रोजगार सेवक संघ के जिला उपाध्यक्ष संजय गुप्ता,ब्लॉक अध्यक्ष आशीष कनौजिया, ब्लॉक उपाध्यक्ष अमर प्रकाश शुक्ला,तिलकराम यादव,सुरजीत कुमार,अनिल वर्मा,अनिल राज,लालता प्रसाद,श्याम सिंह,राजेश मौर्य आदि समस्त ग्राम रोजगार सेवक मौजूद रहे।

राजधानी में आलमबाग नहरिया चौराहे से संचालित हो रहे अवैध बसें

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। अवैध बसों के संचालन से सरकार के राजस्व को लाखों का नुकसान हो रहा है।सूचनानुसार नहरिया से एक सिंडिकेट अवैध डग्गामार बसे कराता है। इस सिंडिकेट में लोकल के दबंग,ऑटो टैक्सी ई रिक्शा व पान वाले शामिल है।आलमबाग बस स्टैंड से सवारियों को गुमराह कर नहरिया लाकर प्राइवेट अवैध बसों में बैठाया जाता है। आलमबाग नहरिया पर अवैध बसों के संचालन को लेकर निजी ट्रेवल कंपनियां भी खोली गई है। अधिकांश ट्रैवेल एजेंसियों का तो रजिस्ट्रेशन तक नही हैं। यही ट्रेवेल एजेंसियां प्राइवेट बसों का संचालन कराती है। बस परिचालकों का कहना है कि नीचे से ऊपर तक पैसे देते है सब बिके हुए है। सूत्रनुसार स्थानीय ट्रैफिक पुलिस स्थानीय थाना मानक नगर आरटीओ लखनऊ सभी को हर महीने मोटी रकम दी जाती है। एक बड़ा ट्रैवेल नेक्सेस सरकार की महत्वकांक्षी योजना को भी पलीता लगा रहा है। अरबो रुपये खर्च कर परिवहन विभाग के बेड़े में शामिल की गई हाईटेक सकैनिया बसे हैं। डग्गामार बसों की वजह से सकैनिया बसों को यात्री मिलते ही नही है। क्यो बस अड्डो के आसपास अवैध बसों को संचालित कराने वालों का मकड़जाल फैला है।सरकारी बसों में बैठने वाले यात्रियों को कम पैसे में यात्रा का लालच लेकर सरकार को चुना लगाया जा रहा है । आलमबाग नहरिया से अवैध बस अड्डे के संचालन से परिवहन विभाग को हर महीने लाखो का नुकसान हो रहा है। जब यही डग्गामार बसे हादसे का शिकार होती है और लोगो की जान जाती है। सरकार बनती है जवाबदेह लेकिन सरकार के निर्देशों का पालन करने वाले बने लापरवाह है। परिवहन विभाग किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहा है। आरटीओ के चौराहे से हटते ही फिर। डग्गामार बसों की कमाई शुरू हो गयी है।

धनीराम बौद्ध ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर अपने साथियों के साथ समाजवादी पार्टी का दामन थामा

कानपुर महानगर। कानपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष श्री राघवेंद्र

यादव एवं अनुसूचित जातिध जनजाति प्रकोष्ठ के जिलाध यक्ष/प्रदेश सचिव पैंथर शिवकुमार पासवान जीने प्रदेश कार्यालय लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष माननीय नरेश उत्तम जी के नेतृत्व में भारतीय दलित पैंथर के प्रांतीय अध्यक्ष पैंथर धनीराम बौद्ध ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर अपने साथियों के साथ समाजवादी पार्टी का दामन थामा है। सभी दलित पैंथर के साथियों ने समाजवादी पार्टी में शामिल होकर समाजवादी पार्टी की 2022 में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लिए कमर कसी और अखिलेश यादव जी को पुनः 2022 में मुख्यमंत्री बनाने का वादा किया। कार्यक्रम में प्रदीप पासवान, दीपक बाथम, राहुल चौरसिया, धीरेंद्र सिंह कप्तान सेन वर्मा राजू यादव, अजय यादव, कालीचरण सोनकर, राजकुमार निषाद, प्रदीप वाल्मीकि आदि उपस्थित रहे।

माध्यमिक शिक्षक संघ ने डीआईओएस कार्यालय पर दिया धरना

मुख्यमंत्री को सम्बोधित सौपा 19 सूत्रीय मांगपत्र

अवध की आवाज

उरई (जालौन) उ. प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह राजा के नेतृत्व में आज बुधवार को 19 सूत्रीय मांगों को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना प्रर्दशन किया। धरना सभा को सम्बोधित करते हुए डा. राकेश कुमार निरंजन, अजित सक्सेना सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी, योगेशचंद्र द्विवेदी, अरविंद शुक्ला जिला महामंत्री, रामजी सिंह गुर्जर जिला कोषाध्यक्ष, जगदीश शुक्ला संयोजक संघर्ष समिति ने कहा कि पुरानी पेंशन ही वृद्धावस्था का समुचित जीवन स्तर बनाये रखने का माध्यम है। इस लिए पुरानी पेंशन सरकार बहाल करें इसके साथ ही एनपीएस शिक्षकों की खाते में धनराशि का ब्यौरा प्रदर्शित नहीं हो रहा है जो बहुत ही निंदनीय है तथा सभी शिक्षकों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा अनुमन्य की जाये सहित 19 सूत्रीय मांगपत्र मुख्यमंत्री को सम्बोधित जिला विद्यालय निरीक्षक को भेंट किया।

20 सितम्बर से आयोजित होंगे 'सास–बहु–बेटा सम्मलेन'

अवध की आवाज

उन्नाव। परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से उन्नाव सहित सूबे के मिशन परिवार विकास के 57 जिलों में 20 सितम्बर से सास–बेटा–बहू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन–उत्तर प्रदेश की निदेशक अपर्णा उपाध्याय ने सभी संबंधित जिलाधिकारियों व मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पत्र लिखकर दिशा–निर्देश जारी किए हैं। परिवार नियोजन के नोडल अधिकारी एवं उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा. वी. के.गुप्ता ने बताया– सास, बेटा, बहू सम्मेलन सरकार की एक अच्छी पहल है द्य जनपद में सभी 16 ब्लॉक्स के उपकेन्द्र पर 20 सितम्बर से सास–बहु–बेटा सम्मलेन आयोजित किये जायेंगे। सम्मेलन में बेटा से आशय सास के बेटे अर्थात प्रतिभाग करने वाली बहू के पति से है। पहले जनपद में सास बहु सम्मेलन आयोजित किया जाता था। अब इस सम्मलेन में बेटे को शामिल करने का यह उद्देश्य है कि परिवार के सभी निर्णयों में पुरुषों की सहमति सर्वोच्च होती है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्येक उपकेन्द्र पर 10–12 आशा कार्यकर्ता होती हैं। अतः सभी आशाओं के द्वारा सास–बहु दृबेटा सम्मलेन कराया जाना है द्य हर उपकेन्द्र पर चरणबद्ध तरीके से सास–बहु–बेटा सम्मेलन 2–3 आशा के कार्यक्षेत्र को संयुक्त करके किया जाएगा द्य प्रत्येक सम्मेलन में प्रति आशा 8–10 परिवारों से सास, बेटा एंव बहू प्रतिभाग करेंगे। इस तरह प्रत्येक सम्मेलन में लगभग 90 प्रतिभागी प्रतिभागी होंगे। सम्मलेन लगभग तीन घंटे का होगा और प्रतिभागियों के परिचय के साथ इसकी शुरुआत की जाएगी। परिचय के बाद लोगों को परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी साधन, प्रसव पश्चात और गर्भ समापन के पश्चात् परिवार नियोजन के साधन की जानकारी दो बच्चों के बीच अन्तराल संबंधित जानकारी देते हुए गुब्बारा खेल व अन्य प्रतियोगिताओं के साथ ही प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता होगी। इस मौके पर दंपति अपने अनुभव साझा करेंगे। प्रतिभागी बेटा द्वारा मुख्य संदेश पढ़ते हुए शपथ ली जाएगी। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य उप केंद्रों पर एक वर्ष के दौरान चिन्हित नव विवाहित दंपति को परिवार नियोजन साधन के बारे में परामर्श देने के बाद शगुन किट का वितरण किया जाएगा । ब्लाक स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। यह जिला स्तरीय कार्यालय पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। अंतिम तारीख के बाद रिपोर्ट राज्य स्तरीय कार्यालय पर प्रेषित की जाएगी। नोडल अधिकारी ने बताया सम्मेलन में प्रतिभागी होंगे। विगत एक वर्ष के दौरान नव विवाहित दंपति। विगत एक वर्ष के अंदर उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला। ऐसे दंपती जिन्होंने परिवार नियोजन का कोई भी साधन नहीं अपनाया है। ऐसे दम्पति जिनके तीन या तीन से अधिक बच्चे हैं। आदर्श दंपति, ऐसे दंपति जिनका विवाह के दो वर्ष बाद पहला बच्चा हुआ हो, जिनके पहले और दूसरे बच्चे में कम से कम 3 साल का अंतर हो या दम्पति ने दो बच्चों के बीच स्थायी साधन अपनाया हो।

जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति'' की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न

अवध की आवाज

माधौगढ़ (जालौन) जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में ''जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति'' की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारां पूर्व सड़क सुरक्षा

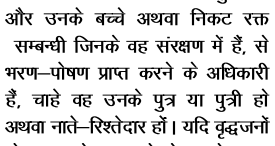

समिति की बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा की गयी । अध्यक्ष जिला ''जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति''ध जिलाधिकारी द्वारा एन.एच.ए.आई. व पुलिस विभाग को हाइवे पर ढ़ाबों के सामने बने अवैध कटों को समाप्त करने व अवैध ढ़ाबों को चिन्हाँकित कर हटाये जाने के निर्देश दिये गये है। साथ ही पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा जिन स्थानों पर सांकेतिक चिन्ह् लगाये गये हैं उनकी सूची उपलब्ध कराये जाने हेतु पी.डब्ल्यू.डी. के पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया व मुख्य चिकित्साधिकारी, क्षेत्राधिकारी सदर, अधिशासी अधिकारी नगरपालिका को जिला अस्पताल के बाहर पार्किंग हेतु स्थल चिन्हित करने के निर्देश दिये गये व सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी को श्रम विभाग के साथ बैठक कर ई–रिक्शा चालकों को किन योजनाओं के तहत लाभ दिया जा सकता है दिये जाने हेतु निर्देश दिये गये व उप जिलाधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी सदर, अधिशासी अधिकारी नगरपालिका, उरई को बस आपरेटर्स यूनियन के दो सदस्यों की उपस्थिति में प्राइवेट बस स्टैण्ड के पार्किंग हेतु जगह चिन्हित कर अवगत कराये जाने हेतु निर्देश दिये गये तथा सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक, उ0प्र0रा0स0प0नि0, उरई को सार्वजनिक सेवायानों से हुई दुर्घटनाओं के लम्बित प्रकरणों को त्वरित गति से निस्तारण कर अवगत कराये जाने के निर्देश दिये गये बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 अभय कुमार श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 ऊषा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, जिला विद्यालय निरीक्षक भगवत पटेल, बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रेमचन्द्र, क्षेत्राधिकारी सदर सन्तोष कुमार, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, रा0स0प0नि0 उरई, यात्रीकर अधिकारी उरई, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका उरई, एन.एच.ए.आई. के प्रतिनिधि, अध्यक्ष, बसध्ट्रक आपरेटर एसोसिएशन, विद्यालयों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत से परिजनों में कोहराम

तीन माह पहले हुई थी शादी बुझा घर का इकलौता चिराग

अवध की अवाज

कदौरा/जालौन ।सड़क दुर्घटना में घायल युवक की देर रात उपचार के दौरान मौत हो गई जिसकी खबर परिजनों को मिलते ही कोहराम मच गया बताया गया कि मृतक अपने घर मे इकलौता पुत्र था जिसकी तीन माह पूर्व शादी हुई थी। ज्ञातव्य हो कि कदौरा क्षेत्र मंगलवार की रात नगर से अपनी ससुराल ग्राम खुटमिली जा रहे बाइक सवार युवक ओमकार पुत्र रंजीत 24 वर्ष निवासी कदौरा की बाइक का अचानक ग्राम बागी में सामने

मवेशी आने से संतुलन बिगड़ गया एव बाइक सीधा डिवाइडर से टकराने से युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसे राहगीरों की मदद से सीएचसी ले जाया गया हालत गम्भीर होने के कारण युवक को जिलासप्ताल रिफर कर दिया जिसकी रात में उपचार के दौरान मौत हो गयी। उक्त घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया बताया गया कि ओमकार अपने पिता का इकलौता पुत्र था जिसकी एक छोटी बहिन है व मृतक की 3 माह पूर्व शादी हुई थी एव उक्त अपनी पत्नी को लेने ससुराल जा रहा था। दुर्घटना स्थल पर बताया गया कि यदि युवक हेलमेट लगाए होता तो उसकी जान बच जाती क्यो कि डिवाइडर से सर टकराने की वजह से युवक के सर में गहरी चोट आई थी एव हाइवे पर अन्ना पशु के विचरण करने व बैठने के कारण आये दिन कोई न कोई राहगीर दुर्घटना का शिकार हो रहा है व उक्त पशुओं का कोई इंतजाम भी नही होता।

धौरहरा में आज भी है तुलसीदास जी द्वारा लगाया गया विशालकाय वट वृक्ष

तुलसीदास जी द्वारा लिखी हुई सुंदरकांड की पांडुलिपि आज भी है सुरक्षित

अवध की आवाज

लखीमपुर खीरी। रामचरित मानस के रचनाकार गोस्वामी तुलसीदास ने कुछ समय तक लखीमपुर खीरी जिले में प्रवास

कर यहां सुंदरकांड की रचना की थी। इसके न केवल पुख्ता प्रमाण मिलते हैं, बल्कि जिले के दुलही गांव के एक परिवार में रामचरित मानस के सुंदरकांड की पांडुलिपि भी सुरक्षित है। धौरहरा कस्बे में तुलसीदास का प्रवास स्थल एक तीर्थ का रूप ले चुका है। यहां उनके द्वारा लगाया गया विशाल वट वृक्ष आज भी मौजूद है। गोस्वामी तुलसीदास भ्रमण करते हुए 16वीं सदी के उत्तरार्द्ध में खीरी जिले में पहुंचे। उन्होंने सरयू नदी के तट पर प्रवास कर रामचरित मानस के कुछ अंश की रचना की। धौरहरा के वाजिबुलअर्ज में जांगड़ा राजा खड़ग सिंह का एक आलेख मिलता है जिसमें लिखा है कि फकीर बैरागी तुलसीदास सरजू किनारे भ्रमण करते हुए जंगल में आए। उन्होंने यहां रामचरित मानस के कुछ अंश की रचना की। तुलसीदास की रचना स्थली रामबटी धौरहरा में ठाकुरद्वारा के रूप में मौजूद है। यहां एक मंदिर में तुलसीदास द्वारा स्थापित राम, लक्ष्मण और सीता की प्रतिमाएं भी विद्यमान हैं। तुलसीदास ने इसी स्थान पर एक वट वृक्ष लगाया था जो करीब पांच सौ साल बाद भी विशाल आकार में मौजूद है। जनपद खीरी की तहसील निघासन अंतर्गत दुलही गांव में रामचरित मानस के सुंदरकांड की पांडुलिपि गांव के ही एक तिवारी परिवार में सुरक्षित है। उनके परिवारवालों का कहना है कि उनके पूर्वज अटकोहना निवासी पं. भवानी प्रसाद तिवारी को तुलसीदास ने भेंटस्वरूप प्रदान किया था। उनके बाद यह उनके उत्तराधिकारी उदय शंकर तिवारी को मिली। कुछ समय बाद वह अटकोहना छोड़कर दुलही में आ बसे। उनके परिवार में सुंदरकांड की यह दुर्लभ पांडुलिपि बतौर विरासत चली आ रही है। पांडुलिपि भोजपत्र पर काली स्याही से मोटे अक्षरों में लिखी गई है। प्रत्येक पन्ने पर सीता राम लिखी गोल मुहर लगी हुई है। पांडुलिपि पर संवत 1672 अंकित है। बताया जाता हैं कि गोरखपुर गीता प्रेस के संचालक हनुमान प्रसाद पोद्दार यहां आए थे। उन्होंने पांडुलिपि के तुलसी दास की हस्तलिखित होने की पुष्टि की थी। उन्होंने कल्याण के वर्ष 13, अंक तीन मानसांक खंड तीन में इस पांडुलिपि का जिक्र करते हुए इसे मौलिक और प्रामाणिक बताया था। इस आशय का लेख भी प्रकाशित किया था।

विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

अवध की आवाज

माधौगढ़ (जालौन) उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक्शन प्लान के अन्तर्गत माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय तरूण सक्सेना के निर्देशन में आज तहसील उरई के अन्तर्गत मुख्यालय स्थित वृद्धआश्रम राठ रोड उरई में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कोरोना गाइड–लाइन के अन्तर्गत सम्पन्न इस शिविर की अध्यक्षता करते हुये सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती रेनू यादव ने वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार के बारे में विस्तृत जानकारियां देते हुये बताया कि जो व्यक्ति 60 वर्ष से ऊपर की आयु के हैं और उनके बच्चे अथवा निकट रक्त सम्बन्धी जिनके वह संरक्षण में हैं, से भरण–पोषण प्राप्त करने के अधिकारी हैं, चाहे वह उनके पुत्र या पुत्री हो अथवा नाते–रिश्तेदार हों। यदि वृद्धजनों के भरण–पोषण करने से उनके पाल्य अथवा वारिसान इन्कार करते है तो उनके विरूद्ध जिलाधिकारी महोदय के यहां प्रार्थना–पत्र वृद्धजन की ओर से दिया जा सकता है। वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण अधिनियम के दायरे में लाया गया है और उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का परम कर्तव्य है कि वह अपने माता–पिता अथवा अपने घर के अन्य बुजुर्गों या जिनके साथ वह रह रहे हैं, की सम्पूर्ण देख–भाल जरूर करें। यह ईश्वर की सेवा के समान है और सुखी व संतोषी जीवन का मूल मंत्र है। कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति के नागरिकों के अधिकारो के सम्बन्ध में बताया और उन्होंने यह भी बताया कि अनुच्छेद–17 के अन्तर्गत छुआ–छूत की प्रथा को भी खत्म कर दिया गया जिला समाज कल्याण श्री लाल जी यादव ने अपने विभाग द्वारा संचालित वृद्धा पेंशन, पारिवारिक लाभ योजना व अन्य संचालित योजनाओं के बारे में बताया। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग के अपर शोधाधिकारी श्री एम0 अकील अपने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में संवासियों को जानकारी दी इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के सुलह अधिकारी प्रदीप कुमार

सक्सेना व अधीक्षक देवेन्द्र त्रिवेदी, प्राधिकरण कार्यालय लिपिक श्री अवधेश कुमार सोनी, राजस्व विभाग से लेखपाल श्री राजेन्द्र प्रजापति, वृद्धाआश्रम के प्रबन्धक श्री रमेश भदौरिया, लेखाकार श्री शिवशंकर, पीएलवी टीम लीडर श्री दीपक नारायण, महेश सिंह परिहार, करन सिंह यादव, योगेन्द्र तखेले, रामदेव चतुर्वेदी, महेन्द्र मिश्रा, धर्मेन्द्र कुमार, श्रीमती मनीषा चतुर्वेदी, दीक्षा तिवारी समेत संवासी उपस्थित रहे।

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक श्री आर.पी. सिंह द्वारा अपराध नियंत्रण के दृष्टिगत पैदल गश्त, सघन एवं प्रभावी चेकिंग हेतु जनपदीय पुलिस को निर्देशित किया गया है। जिसके तहत सघन चेकिंग की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत लालबाग चौराहे से प्रमुख मार्गों पर पैदल गश्त की गई।

वजीरगंज क्षेत्र के बेलिया गांव में खेत की निराई करने गए दंपति की विद्युत की चपेट में आने से हुई मौत

अवध की आवाज

गोंडा। वजीरगंज क्षेत्र के बेलिया में बुधवार को धान के खेत की निराई करने गए दंपति

की खेत की बाढ़ में लगे कांटेदार तार में विद्युत करंट की चपेट में आ जाने से मौके पर ही मौत हो गई। तहसीलदार सहित पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना घटित होने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। केस के अनुसार बुधवार को 11रू00 बजे वादी के पिता मिश्रीलाल उम्र 60 वर्ष हुआ मां गीता 55 वर्ष धान के खेत की निराई करने गए थे। खेत में लगी बाढ़ में गांव के ही गंगाराम द्वारा लगाए गए बिजली के तार द्वारा कटीले तार में बिजली प्रवाहित होने के कारण माता–पिता की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। माता पिता की मौत से पूरा परिवार सदमे मे है। घटनास्थल क्षेत्राधिकारी संसार सिंह राठी, तहसीलदार पैगाम हैदर, अध्यक्ष प्रबोध कुमार आदि ने निरीक्षण किया। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि वादी की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है इस संबंध में अवर अभियंता मनकापुर उपकेंद्र बृजनंदन यादव ने बताया कि सूचना मिली है। मौके पर लाइनमैन मनमोहन यादव वा बुधराम यादव को भेजा गया है विभागीय जांच कराई जाएगी। अगर परिवार को मुआवजा बनता है तो मुआवजा दिया जाएगा।

संपूर्ण मानव संवेदनाओं को प्रेम और एकता के बंधन में पिरोने की निष्ठा ही रक्षा सूत्र

गोंडा। जिससे हम आतंक ,अन्याय ,शोषण, अत्याचार ,जैसी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। उक्त विचार नगर पंचायत मनकापुर के

मोहल्ला रफी नगर स्थित ब्रह्मकुमारी ईश्वरी विद्यालय आश्रम में रविवार को नवाबगंज से पधारी संचालिका रेखा दीदी ने उपस्थित सभी लोगों के समक्ष शिव बाबा का संदेश देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि संपूर्ण मानव संवेदना को प्रेम और एकता के बंधन में पिरोने की निष्ठा ही रक्षा सूत्र है जिससे हम आतंक अन्याय शोषण अत्याचार जैसी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। संचालिका रेखा दीदी ने कहा कि राखी सिर्फ धागों का बंधन नहीं बल्कि टूटते सपनों को जगाने का खुला संकल्प है । उन्होंने कहा कि आज बहुत जरूरत है गायकों से बनी राखी का सम्मान करने की क्योंकि यह परंपरा नहीं बल्कि प्यार का बंधन है । कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रह्मकुमारी उपमा दीदी ने किया। ब्रह्मा कुमारी उपमा दीदी ने बताया कि भाई बहन के अटूट विश्वास व प्रेम का प्रतीक रक्षाबन्धन का पावन पर्व 21 अगस्त से 26 अगस्त तक आश्रम परिसर में अनवरत चलता रहेगा। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर ब्रह्मकुमारी आश्रम मै उप जिला अधिकारी मनकापुर ज्ञान चंद गुप्ता, क्षेत्राधिकारी संजय कुमार तलवार ,कोतवाल मनकापुर श्याम बहादुर सिंह, भाजपा सांसद प्रतिनिधिध भाजपा मंडल अध्यक्ष मनकापुर कमलेश पांडे, चेयरमैन प्रदीप कुमार गुप्ता मोहल्ला शास्त्री नगर सभासद ध भाजपा मंडल उपाध्यक्ष वैभव सिंह, पटेल नगर सभासद अखंड प्रताप सिंह , विश्व हिंदू परिषद (जिला अध्यक्ष) संतोष कसौधन (बड़कन) आदि गणमान्य लोगों की कलाइयों पर रेखा दीदी ने रक्षा सूत्र बांधा।और स्नेह पत्रिका भेंट स्वरूप प्रदान की । कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने ब्रह्मा भोजन प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया। इस पावन पर्व के मौके पर नवाबगंज से ब्रह्मकुमारी रेखा दीदी , प्रेम सुधा बहन, साक्षी बहन ,प्रमोद भाई ,प्रेम भाई, रमाशंकर भाई, रक्षा राम भाई, आसाराम भाई, समेत दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

घाघरा का जलस्तर खतरे के निशान से 16 सेंटीमीटर ऊपर एल्गिन चरसडी बाँध पर चन्दापुर के पास शुरू हुआ कटान

अवध की आवाज

गोण्डा। घाघरा का जलस्तर बढ़ने से बांध के लिए खतरा पैदा हो गया है। घाघरा का जलस्तर खतरे के निशान से 16 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है परसपुर एल्गिन चरसडी बांध के चंदापुर के पास तेजी से बांध के किनारे कटान शुरू हो गई है। मौके पर आला अधिकारी जुट गए हैं और बांध के बचाव का कार्य तेजी से चल रहा है। हालांकि बांध के आसपास गांव में प्रशासन ने खतरे को भांपते हुए गांव को खाली कराने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कवायद भी तेज कर दी है। घाघरा का जलस्तर लगातार बढ़ने की ओर है। खतरे के निशान 106.07 के सापेक्ष घाघरा का जलस्तर 106.286 पर पहुंच गया है। इसके अलावा विभिन्न बैराजों एवं पहाड़ी नालों का पानी लगातार

घाघरा में फैलता जा रहा है। तेजी से बढ़ रहे जलस्तर से एल्गिन चरसडी बांध पर खतरा मंडराने लगा है। चंदापुर किटोली के पास बांध के निकट तेजी से कटान शुरू हो गई है। जिसकी सूचना मिलने के बाद मौके पर अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी और सिंचाई विभाग के अधिकारी पहुंच गए हैं। बांध के बचाव का कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। उप जिलाधिकारी हीरालाल ने बताया कि बांध में कटान की सूचना मिलने पर मौके का निरीक्षण किया जा रहा है और अगल–बगल के गांव को सचेत कर दिया गया है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा जा रहा है। मगर बांध के नजदीक कटान तेजी से हो रही है। जिससे बांध को खतरा पैदा हो सकता है। बांध की संबेदनशीलता को देखते हुए मंगलवार को भोर में ही बांध का जायजा लिया तथा अधीनस्थ को कड़े निर्देश दिये।

माताओं के द्वारा रखा जाने वाला व्रत हलषष्ठी 28 अगस्त मनाई जाएगी. . आचार्य हनुमान प्रसाद पांडे

अवध की आवाज

गोंडा।बच्चों की सुख–समृद्धि और लंबी उम्र के लिए माताओं के द्वारा रखा जाने वाला व्रत हलषष्ठी 28 अगस्त शनिवार को मनाया जाएगा। पहले माताएं दिनभर निर्जला व्रत रखकर शाम को मंदिर परिसर में सगरी बनाकर उसके चारों तरफ बैठकर भगवान शिव और माता पार्वती की कथा सुनकर पूजा

था। उपरोक्त बात आचार हनुमान प्रसाद पांडे जी ने बताया की कृष्ण जन्माष्टमी के दो दिन पहले यह त्यौहार भगवान कृष्ण के बड़े भाई बलराम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। इस दिन माताएं अपने संतान की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखकर घरों में कुंआ बनाकर पूजा करती है। बलराम जी का जन्म पौराणिक ग्रंथों के अनुसार भादो महीने के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को भगवान कृष्ण के बड़े भाई बलराम जी का जन्म हुआ था और उनका प्रमुख शस्त्र हल था, इसलिए इस दिन को हलषष्ठी कहा जाता है, यह दिन माताओं के लिए बहुत ही खास होता है क्योंकि इस दिन संतान की लंबी उम्र के लिए मां निर्जला व्रत रखती हैं। अब जानें हलषष्ठी की पूजा विधि रू– हलषष्ठी के दिन सुबह नहा धोकर साफ कपड़े पहनकर गोबर से जमीन को अच्छे से पोत लें। इसके बाद वहां पर छोटे से तालाब का निर्माण करें। इसके बाद इस तालाब के आसपास झरबेरी और पलाश को लगा दें। इसके बाद पूजा में चना, जौ, गेंहू, धान, और मक्का से पूजा करें। इसके बाद हलछठ की कथा सुनाई जाती है। जिससे संतान की उम्र लंबी होती है। भैंस के दूध का उपयोग दिन उत्तम होता है, हलषष्ठी के दिन गाय के दूध या दही का सेवन बिल्कुल भी नहीं किया जाता है।

कृष्णा श्रॉफ ने बॉलिवुड से मिलने वाले ऑफर्स को लेकर कही बड़ी बात, कई फिल्मों के लिए कर दिया मना

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलिवुड ऐक्टर जैकी श्रॉफ की बेटी और टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ भले ही फिल्मों में काम नहीं करती हों मगर वह किसी सिलेब्रिटी से कम नहीं हैं। कृष्णा श्रॉफ सोशल मीडिया पर काफी पॉप्युलर हैं और

उनकी जबदस्त फैन फॉलोइंग है। कृष्णा की तस्वीरें और वीडियोज अक्सर वायरल हुआ करते हैं। वैसे कृष्णा को फिल्मों के काफी ऑफर मिले हैं मगर वह एक कारण से इन्हें रिजेक्ट करती रही हैं। कृष्णा श्रॉफ ने एक हालिया इंटरव्यू में बताया है कि उन्होंने बहुत सारे फिल्मों के ऑफर्स रिजेक्ट कर दिए हैं। कृष्णा ने कहा कि वह कभी ऐक्टिंग में आना ही नहीं चाहतीं और इसका फैसला उन्होंने काफी पहले ले लिया था। कृष्णा ने कहा कि ऐक्टिंग के नाम से उनके भीतर कोई उत्साह नहीं आता है। कृष्णा अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती हैं और वह यह मानती हैं कि यही एक ऐसी चीज है जो उन्हें उत्साहित करती है। कृष्णा ने बताया कि वह कभी फिल्में करना ही नहीं चाहती थीं। इसलिए उन्हें केवल अपनी फिटनेस पर ही सबसे ज्यादा ध्यान दिया है। कृष्णा ने बहुत सारी फिल्मों के ऑफर्स रिजेक्ट किए हैं। हालांकि कृष्णा को इसका कोई अफसोस नहीं है। कृष्णा ने कहा कि उनके दिमाग में कभी किसी फिल्म को इनकार करने के बारे में दूसरा विचार नहीं आया। कृष्णा ने यह भी कहा कि वह इस मामले में काफी जिद्दी भी हैं। जब उन्होंने सोच लिया कि फिल्मों में काम नहीं करना तो दोबारा इसके बारे में नहीं सोचा। कृष्णा श्रॉफ केवल अपने भाई टाइगर के ही नहीं बल्कि उनकी कथित गर्लफ्रेंड दिशा पाटनी के भी काफी करीब हैं। कृष्णा और दिशा अक्सर एक साथ देखी जाती हैं और काफी समय साथ में बिताती हैं। कृष्णा अपने सबसे नजदीकी लोगों में से एक दिशा को मानती हैं। कृष्णा श्रॉफ ने कुछ दिन पहले एक म्यूजिक वीडियो में डेब्यू किया है। इस वीडियो में कृष्णा के साथ जॉनी लीवर की बेटी जेमी लीवर और जन्नत जुबैर भी नजर आई थीं। इस म्यूजिक वीडियो का नाम 'किन्नी किन्नी वारी' है।

शत्रुन सिन्हा ने खोली धर्मेंद्र की पोल, कहा- हर हिरोइन की खबर रखता था

मुंबई, (वेब वार्ता)। 21 अगस्त से 'द कपिल शर्मा शो' की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। जहां पहले हफ्ते में शो में अक्षय कुमार और अजय देवगन स्पेशल गेस्ट बनकर पहुंचे तो इस हफ्ते धर्मेंद्र और शत्रुन सिन्हा की जोड़ी नजर आएगी। कपिल के शो में इन दोनों स्टार्स ने खूब मस्ती की और एक–दूसरे की पोल भी खोली। मेकर्स ने इस वीकेंड आने वाले एपिसोड का प्रोमो रिलीज किए हैं, जिनमें कपिल शर्मा, शत्रुन सिन्हा और धर्मेंद्र से कुछ मजेदार सवाल पूछते नजर आ रहे हैं। इन सवालों का जवाब में शत्रुन सिन्हा, धर्मेंद्र की पोल खोल देते हैं। सामने जो राज आता है उसे सुनकर कपिल से लेकर अर्चना पूरण सिंह और सभी ऑडियंस की हंसी छूट जाती है। प्रोमो में कपिल शर्मा सवाल पूछते हैं, 'कौन–सी हिरोइन कौन–सी फिल्म कर रही है, ये सारी खबर कौन रखता था? यह सुनते ही शत्रुन सिन्हा, धर्मेंद्र की ओर इशारा करते हैं और कहते हैं, 'बड़ा नॉटी है। इतने सालों में जितनी रिस्पेक्ट इन्होंने कमाई है, तमाम हरकतों के बावजूद, ब्रैंड मिलता है?' शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, 'बहुत हद तक हरकतें ही मिलती हैं जो मैंने इनसे ही सीखी हैं। बता दें कि जहां धर्मेंद्र ने साल 1960 में फिल्मों कदम रखे

में बात हो जाती है।' धर्मेंद्र और शत्रुघ्न सिन्हा सिर्फ बेहतरीन को–स्टार्स ही नहीं रहे बल्कि अच्छे दोस्त भी हैं। सालों से उनके बीच गहरी दोस्ती है। कपिल शर्मा ने जब दोनों ने उनकी गहरी दोस्ती का राज पूछा और कहा, 'आप दोनों के विचार मिलते हैं कि आपका थे, वहीं शत्रुघ्न सिन्हा ने 1970 में डेब्यू किया था। दोनों स्टार्स ने साथ में कई फिल्मों में काम किया, जिनमें 'लोहा', 'नसीब', 'जीने नहीं दूंगा', 'झील के उस पार', 'जलजला', 'ताकत', 'दोस्त' और 'ब्लैकमेल' जैसी कई और फिल्में शामिल हैं।

एक्टर प्रकाश राज ने की दोबारा शादी, बेटे को दिखाने किया फैसला

मुंबई, (वेब वार्ता)। साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के दमदार एक्टर प्रकाश राज इस वक्त सुर्खियों में हैं। उन्होंने पत्नी पोनी वर्मा संग दोबारा शादी की है। उनकी फोटोज सोशल

मीडिया पर वायरल हो रही है। उनकी दोबारा शादी की वजह कोई और नहीं, बल्कि उनका बेटा है। उन्होंने पोस्ट में खुलासा किया है कि आखिर उन्होंने यह फैसला क्यों लिया।24 अगस्त को प्रकाश राज और पोनी वर्मा की शादी को 11 साल पूरे हुए। इस खास मौके पर इस जोड़े ने दोबारा शादी की। उन्होंने खुद पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा– 'हमने आज रात फिर से शादी की, क्योंकि हमारा बेटा वेदांत हमारी शादी देखना चाहता था।' इन तस्वीरों में प्रकाश और पोनी के साथ उनका बेटा भी दिखाई दे रहा है। सभी बेहद खुश हैं। एक्टर अपनी पत्नी को किस करके अपना प्यार भी लुटा रहे हैं।

राणे पर कार्रवाई संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ : भाजपा

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए भाजपा ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार की कार्रवाई संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है। महाराष्ट्र पुलिस ने मंगलवार दोपहर को राणे को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ उनके थप्पड़ मारने वाले बयान के आरोप में गिरफ्तार किया था, यहां तक कि उत्तेजित शिवसेना कार्यकर्ताओं ने पूरे राज्य में जोरदार विरोध किया। राणे ने कथित तौर पर उद्धव ठाकरे को थप्पड़ मारने की धमकी दी थी, जिससे भाजपा और शिवसेना के बीच ताजा तनाव पैदा हो गया था।

महाराष्ट्र पुलिस ने राणे को राज्य के कोंकण क्षेत्र के रत्नागिरि के संगमेश्वर से गिरफ्तार किया। राणे की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, महाराष्ट्र सरकार द्वारा केंद्रीय मंत्री नारायण राणे जी की गिरफ्तारी संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन है। हम इस तरह की कार्रवाई से ना तो डरेंगे और ना ही दबेंगे। ये जन आशीर्वाद यात्रा में भाजपा को मिल रहे अपार समर्थन से लोग परेशान हैं। हम लोकतांत्रिक तरीके से लड़ते रहेंगे और यात्रा जारी रहेगी।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट किया, केंद्रीय मंत्री नारायणराव राणे के खिलाफ कार्रवाई पूर्ण बदले की भावना से की गई है। हम पुलिस बल के इस दमन की कड़ी निंदा करते हैं। शरजील उस्मानी आजाद हैं, लेकिन नारायण राणे गिरफ्तार हैं। यह उनका हिंदुत्व है और यह महाराष्ट्र कैसा दिखता है।

राणे की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं महाराष्ट्र प्रभारी सी.टी. रवि ने कहा, मैं महा वसूली अघाड़ी सरकार द्वारा केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता राणे की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करता हूं। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे एक तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं, जो भ्रष्टाचारियों की रक्षा कर रहे हैं, जबकि उनसे सवाल करने वालों को गिरफ्तार कर रहे हैं। राणे की गिरफ्तारी के बर्बर तरीके की निंदा करते हुए संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए लड़ाई जारी रखेगी। इस बीच, राणे किसी भी राज्य पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने वाले तीसरे केंद्रीय मंत्री बन गए हैं। 2001 में, अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में कैबिनेट मंत्री, दिवंगत मुरासोली मारन और टी. आर. बालू को चेन्नई पुलिस ने गिरफ्तार किया था। फड़णवीस ने मंगलवार दोपहर को आगामी संभावनाओं पर संकेत देते हुए कहा था कि अगर राणे को गिरफ्तार किया जाता है, तो पार्टी ने चल रही जन आशीर्वाद यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए प्लान बी तैयार रखा है। फडणवीस ने कहा, हालांकि, भाजपा ने राणे के बयानों को खारिज कर दिया है। पार्टी ने मौजूदा संकट में उनके साथ खड़े होने की कसम खाई है।

अमेरिकी कांग्रेस ने बाइडन की ३,५०० अरब डॉलर की बजट रूपरेखा को पारित किया

वाशिंगटन, (वेब वार्ता)। अमेरिकी कांग्रेस में राष्ट्रपति जो बाइडन की हजारों अरब डॉलर की बजट रूपरेखा ने पहली अड़चन को पार कर लिया है। डेमाक्रेट नेताओं के मॉडरेट सांसदों के साथ इस बारे में समझौते के बाद सत्ताधारी दल का घरेलू बुनियादी ढांचे का एजेंडा एक बार फिर पटरी पर आ गया है। सदन में बजट की रूपरेखा 220–212 मतों से पारित हुई। यह राष्ट्रपति बाइडन की 3,500 अरब डॉलर की पुनर्निर्माण योजना का मसौदा बनाने की दिशा में पहला कदम है। रिपब्लिकन द्वारा इस योजना का विरोध किया जा रहा था। करीब 24 घंटे चले संकट के दौरान संसद की प्रक्रिया पूरी तरह रुक गई। उसके बाद स्पीकर नैंसी पेलोसी ने वोटिंग से पहले सांसदों से कहा कि यह कानून नए करार के बराबर संघीय निवेश का प्रतिनिधित्व करता है। एक सांसद ने बताया कि पेलोसी ने इसमें देरी को नजरअंदाज करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया का हिस्सा है। कुछ मॉडरेट सांसदों ने 3,500 अरब डॉलर की योजना के लिए अपने मतों को 'रोकने' की धमकी दी थी जिससे सदन में तनाव बढ़ गया था। उनका कहना था कि पहले सदन अन्य सार्वजनिक कार्य परियोजनाओं के 1,000 अरब डॉलर के उस द्विदलीय पैकेज को मंजूरी दे, जिसे सीनेट पारित कर चुका है। समझौता कायम करने की पहल के तहत पेलोसी ने इस पैकेज पर 27 सितंबर तक मतदान की प्रतिबद्धता जताई। सांसदों को भरोसा दिलाया गया कि इसे अलग नहीं छोड़ जाएगा। पेलोसी ने कहा कि एक साथ आगे बढ़ाए गए दो विधेयक बाइडन की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। पेलोसी ने दोनों को एक अक्टूबर तक पारित करने की प्रतिबद्धता जताई।

पेट्रोल डीजल में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों के तेजी के बावजूद बुधवार को घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत रही। मंगलवार को इन दोनों की कीमतों में 15–15 पैसे प्रति लीटर की कमी की गयी थी। आज दिल्ली में आज इंडियन ऑयल के पंप पर पेट्रोल जहां 101.49 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 88.92 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, आज दिल्ली में पेट्रोल 101.49 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 88.92 रुपये प्रति लीटर पर रहा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुनिया भर में कोविड–19 के मामलों में फिर से वशृद्धि होने के बावजूद कल कच्चे तेल की कीमतें फिर से बढ़ने लगी है। कल कारोबार की समाप्ति के समय ब्रेंट क्रूड 2.48 डॉलर प्रति बैरल चढ़ कर 71.05 डॉलर प्रति बैरल पर और डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 2.08 डॉलर प्रति बैरल बढ़कर 67.54 डॉलर पर बंद हुआ था। पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नई कीमतें लागू की जाती हैं।

भारत एक स्वच्छ और आधुनिक परिवहन व्यवस्था की तरह बढ़ने को प्रतिबद्ध : मोदी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि वाहन विनिर्माण से जुड़ी मूल्य श्रृंखला के लिए समग्र उपाय किए जा रहे हैं। इससे यह उद्योग अधिक उत्पादक और टिकाऊ बन सकेगा। सोसायटी आफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) को उसके 61वें वार्षिक सम्मेलन के मौके पर बुधवार को संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक स्वच्छ और आधुनिक परिवहन व्यवस्था (मोबिलिटी) के लक्ष्य को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने देश की प्रगति में उद्योग के योगदान की सराहना की। मोदी के संदेश को वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के अध्यक्ष केनिची आयुकावा ने पढ़कर सुनाया। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत की अर्थव्यवस्था और प्रगति में वाहन उद्योग की

भूमिका काफी शानदार रही है। इस क्षेत्र ने विनिर्माण के साथ निर्यात बढ़ाने में योगदान दिया। साथ ही क्षेत्र ने बड़ी संख्या में रोजगार के अवसरों का सृजन किया और लोगों के जीवन को सुगम बनाया। देश की वृद्धि की कहानी में यह क्षेत्र भागीदार रहा है।" मोदी ने कहा कि कोविड–19 महामारी से संघर्ष के दौरान भी क्षेत्र ने संवेदनशील और सक्रिय तरीके से अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का भारत स्वच्छ और आधुनिक मोबिलिटी के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। वाहन विनिर्माण से जुड़ी मूल्य श्रृंखला के लिए समग्र उपाय किए जा रहे है। इससे यह उद्योग अधिक उत्पादक और सतत बन सकेगा। उन्होंने वाहन उद्योग को भरोसा दिलाया कि भारत को विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने में सभी अंशधारकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मोदी ने कहा कि वैश्विक वाहन कंपनियों की विनिर्माण इकाइयां भारत में हैं। इससे भारत के संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र का पता चलता है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हमें अपने पर्यावरण, संसाधनों और कच्चे माल का संरक्षण करने की भी जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। अगले 25 साल देश के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। मोदी ने कहा, "हमें अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे, विश्वस्तरीय विनिर्माण और प्रौद्योगिकी के लिए काम करने की जरूरत है।" उन्होंने कहा कि भारत अपने नागरिकों को वैश्विक स्तर की गुणवत्ता और सुरक्षा प्रदान करने को प्रतिबद्ध है।

सुप्रीम कोर्ट को बताया गया, मुजफ्फरनगर दंगों के 77 मामले अकारण वापस लिए गए

नई दिल्ली,(वेब वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट को मंगलवार को सूचित किया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों के संबंध में सीआरपीसी की धारा 321 के तहत 77 मामले बिना कोई कारण बताए वापस ले लिए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसरिया ने 2016 में अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर एक याचिका में न्यायमित्र (एमिकस क्यूरी) नियुक्त किया, जिसमें मौजूदा और पूर्व सांसदों/ विधायकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे में तेजी लाने के निर्देश की मांग की गई थी, ने शीर्ष अदालत में एक रिपोर्ट दायर की है। इस मामले में अधिवक्ता स्नेहा कलिता ने उनकी मदद की है।

मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना की अध्यक्षता वाली पीठ याचिका पर विचार करने वाली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य सरकार ने न्यायमित्र को सूचित किया है कि 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से संबंधित 510 मामले मेरठ क्षेत्र के पांच जिलों में 6,869 आरोपियों के खिलाफ दर्ज किए गए थे। इनमें से 175 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किया गया, 165 मामलों में अंतिम रिपोर्ट पेश की गई और 170 मामलों को हटा दिया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है, इसके बाद राज्य सरकार द्वारा सीआरपीसी की धारा 321 के तहत 77 मामले वापस ले लिए गए। सरकारी आदेश सीआरपीसी की धारा 321 के तहत मामले को वापस लेने का कोई कारण नहीं बताते हैं। इसमें केवल यह कहा गया है कि प्रशासन ने पूरी तरह से विचार करने के बाद निर्णय लिया है।

न्यायमित्र ने प्रस्तुत किया कि केरल राज्य बनाम के.अजीत 2021 के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित कानून के आलोक में, सीआरपीसी की धारा 401 के तहत पुनरीक्षण क्षेत्राधिकार का प्रयोग करके उच्च न्यायालय द्वारा 77 मामलों की जांच की जा सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कर्नाटक सरकार ने 31 अगस्त, 2020 को 62 मामलों को वापस लेने की अनुमति देने का आदेश पारित किया। आदेश में केवल यह कहा गया है कि सरकार ने बिना कोई कारण बताए निकासी की अनुमति दी है।

न्यायमित्र ने राजनीतिक और बाहरी कारणों से अभियोजन वापस लेने में राज्य द्वारा सत्ता के बार–बार दुरुपयोग को देखते हुए निर्देश दिए जाने का सुझाव दिया। रिपोर्ट में कहा गया है, उपयुक्त सरकार लोक अभियोजक को निर्देश तभी जारी कर सकती है, जब किसी मामले में सरकार की राय हो कि अभियोजन दुर्भावनापूर्ण तरीके से शुरू किया गया था और आरोपी पर मुकदमा चलाने का कोई आधार नहीं है। इसमें आगे कहा गया है कि ऐसा आदेश संबंधित राज्य के गृह सचिव द्वारा प्रत्येक व्यक्तिगत मामले के लिए दर्ज किए जाने वाले कारणों के लिए पारित किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, इस माननीय न्यायालय के 16 सितंबर, 2020 के आदेश के बाद धारा 321 सीआरपीसी के तहत वापस लिए गए सभी मामलों की संबंधित उच्च न्यायालयों द्वारा धारा 401 सीआरपीसी के तहत पुनरीक्षण क्षेत्राधिकार का प्रयोग करके जांच की जा सकती है।

कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग के खिलाफ आईसीआईसीआई बैंक के साथ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

हैदराबाद, (वेब वार्ता)। कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लि.(केएसबीएल) के प्रवर्तक सी पार्थसारथी तथा अन्य के खिलाफ आईसीआईसीआई बैंक के साथ 563 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 406 (विश्वास के आपराधिक हनन), धारा 420, 34 के साथ पढ़े (धोखाधड़ी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि केएसबीएल ने अपने छह बैंकरों के शेयर गिरवी रखकर जो राशि जुटाई उसे फर्म के ही बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया गया, 'स्टॉक ब्रोकर के ग्राहक खाते' में नहीं डाला गया। यह सेबी के दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। यह मामला साइबराबाद की आर्थिक अपराध शाखा को स्थानांतरित किया गया और इसकी जांच के लिए एक विशेष टीम बनाई गई। पार्थसारथी को इंडसइंड बैंक से लिए गए 137 करोड़ रुपये के ऋण के भुगतान की चूक के मामले में 19 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था।

हत्या का वांछित अभियुक्त आलाकत्ल सहित गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी महोदय बीघापुर के कुशल पर्यवेक्षण मे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बारासगवर पुलिस द्वारा हत्या में वांछित अभियुक्त को मय आलाकत्ल के गिरफ्तार किया गया ।

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के कर्मियों को गुतारेस ने दिया आश्वासन

संयुक्त राष्ट्र, (वेब वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि वह अफगानिस्तान में विश्व निकाय के कर्मियों की चिंता, बेचैनी एवं दर्द को साझा करते हैं। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्व संगठन उनकी सुरक्षा एवं कुशलता सुनिश्चित करने के लिए अपनी ओर से भरसक प्रयास कर रहा है। गुतारेस ने युद्ध ग्रस्त अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के कर्मियों को वीडियो संदेश में मंगलवार को कहा कि उनके प्रति "हमारा पूरा समर्थन एवं एकजुटता" है। उन्होंने कहा, "संकट के इस समय में अफगान लोगों के लिए आप जो कुछ भी कर रहे हैं, उसके लिए मैं व्यक्तिगत रूप से आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं पूरे संयुक्त राष्ट्र परिवार की तरफ से बोलता हूं, जब मैं कहता हूं कि हम सभी आपकी सेवा के लिए, विशेष रूप से अफगान राष्ट्रीय सहयोगियों के लिए आपके बहुत आभारी हैं। आप संयुक्त राष्ट्र के सर्वोत्तम मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं।" उन्होंने कहा, " मैं आप में से

अधिकतर लोगों को जानता हूं, विशेष रूप से मानवीय सहायता करने वालों को, जो अफगान लोगों की आकस्मिक जरूरतों को पूरा करने के लिए रुकना चाहते हैं और उनकी मदद करना चाहते हैं।" साथ ही उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में सभी संयुक्त राष्ट्र कर्मियों की सुरक्षा "हमारी शीर्ष प्राथमिकता है।" गुतारेस ने कहा, "और हम अपनी ओर से भरसक प्रयास कर रहे हैं, और आपकी सुरक्षा तथा कल्याण सुनिश्चित करने एवं बाहरी समाधान खोजने के लिए, जहां उनकी आवश्यकता है, ऐसा करना जारी रखेंगे।" संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने विश्व निकाय के कर्मियों से कहा कि वह उनकी चिंता, व्यग्रता और दर्द को साझा करते हैं और उन खबरों से व्यथित हैं कि उनमें से कुछ ने उत्पीड़न और धमकी का अनुभव किया है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।